# ISWK SHARING KNOWLEDGE

## Class VIII

## Subject- Hindi Second Language

Topic-

# भगवान के डाकिए

- By- Ramkrishna

# भगवान के डाकिए

## लेखक परिचय

लेखक – रामधारी सिंह दिनकर
जन्म – 13 सितंबर 1908
मृत्यु – 24 अप्रैल 1974
स्थान – सिमरिया घाट बेगूसराय जिला, बिहार, भारत

## पाठ प्रवेश

इस कविता के द्वारा कवि कहते हैं कि भगवान बादलों के द्वारा पेड़ –पौधों पहाड़ों के लिए संदेश  भेजते हैं। बादलों द्वारा बरसाया जल उनके लिए सुखद संदेश लाता है। कवि पूरे विश्व को एक मानते हैं क्योंकि प्रकृति ने दो देशों में फर्क नहीं समझा। वे कहते हैं कि एक देश से दूसरे देश को जाती सुगंध को कोई बाँध नहीं सकता है। इस कविता की भाषा तत्सम, तद्भव शब्दों से युक्त सरल भाषा है।

## पाठ का सार

इस कविता में “दिनकर” जी बताते हैं कि पक्षी और बादल भगवान के डाकिए हैं जो एक विशाल देश का संदेश लेकर दूसरे विशाल देश को जाते हैं। उनके द्वारा लाए पत्र हम नहीं समझ पाते हैं मगर पेड़-पौधे, जल और पहाड़ पढ़ लेते हैं। यहाँ कवि ने बादलों को हवा में और पक्षियों को पंखो पर तैरते दिखाया है। वे कहते हैं कि एक देश की सुगंधित हवा दूसरे देश में पक्षियों के पंखों द्वारा पहुँचती है। इसी प्रकार बादलों के द्वारा एक देश का भाप दूसरे देश में वर्षा बनकर गिरता है।

# कविता और व्याख्या

पक्षी और बादल,
ये भगवान के डाकिए हैं,
जो एक महादेश से
दूसरे महादेश को जाते हैं।
हम तो समझ नहीं पाते हैं
मगर उनकी लाई चिट्ठियाँ
पेड़, पौधे, पानी और पहाड़
बाँचते हैं।

शब्दार्थ
डाकिए: संदेश देने वाला, महादेश: विशाल देश
चिट्ठियाँ: पत्र, बाँचते: पढ़ना

**व्याख्या** – कवि कहते हैं कि आकाश में उड़ते पक्षी और बादल भगवान का संदेश लेकर आए हुए उसके डाकिए हैं। जो एक देश से दूसरे देश को उड़ते रहते हैं। इन डाकियों का संदेश हम समझ नहीं पाते। भगवान बादलों के द्वारा जो संदेश भेजते हैं उन्हें पेड़-पौधे, पहाड़ और जल अच्छी तरह से पढ़ पाते हैं क्योंकि ये उनके लिए होते हैं।

हम तो केवल यह आँकते हैं

कि एक देश की धरती

दूसरे देश को सुगंध भेजती है।
और वह सौरभ हवा में तैरते हुए

पक्षियों की पाँखों पर तिरता है।
और एक देश का भाप

दूसरे देश में पानी बनकर गिरता है।

शब्दार्थ

केवल: सिर्फ, आँकते : अनुमान,
धरती: पृथ्वी, सुगंध: खुशबू, सौरभ: खुशबू,
पाँखों: पंख, तिरता: तैरता, भाप: वाष्प

व्याख्या – कवि कहते हैं कि हम मनुष्य देश को उसकी सीमाओं से जानते हैं किन्तु प्रकृति किसी सीमा को नहीं जानती। वह अपना वरदान सबको देती है। सुगंध किसी बंधन को नहीं मानते हुए एक देश से दूसरे देश उड़ती जाती है। वही महक पक्षियों के पंखों पर बैठकर इधर से उधर उड़ती रहती है और एक देश से उठी भाप दूसरे देश में वर्षा बनकर बरसती रहती है।

## दीर्घ प्रश्नोत्तर

**प्र॰1 कवि ने पक्षी और बादल को भगवान के डाकिए क्यों बताया है? स्पष्ट कीजिए।**

उत्तर – कवि ने पक्षी और बादल को भगवान के डाकिए इसलिए माना है क्योंकि ये उनका संदेश एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुँचाने में सहायता करते हैं। बादल शीतलता का संदेश देते हैं और पक्षी अपने पंखों पर सुगंधित वायु को लेकर एक देश से दूसरे देश जाते हैं। यहाँ कवि कहना चाहते हैं कि जिस तरह पक्षी और बादल भेदभाव नहीं करते हैं उसी तरह हमें भी नहीं करना चाहिए |

**प्र॰2 पक्षी और बादल की चिट्ठियों में पेड़े-पौधे, पानी और पहाड़ क्या पढ़ पाते हैं?**

उत्तर – पक्षी और बादल की चिट्ठियों में प्रेम,एकता और भाईचारा का संदेश होता है जिसे पेड़-पौधे, पानी और पहाड़ पढ़ पाते हैं भगवान पूरे विश्व को एक मानकर अपना प्रेम सभी में बराबर बाँटते हैं। इस पर अमल करते हुए पेड़-पौधे सबको समान भाव से फल-फूल देते हैं,नदियाँ सबको समान रूप से पानी देती हैं, पहाड़ सबकी रक्षा के लिए समान रूप से खड़े रहते हैं |

## लघु प्रश्नोत्तर

**प्र॰3 पक्षी और बादल द्वारा लाई गई चिट्ठियों को कौन-कौन पढ़ पाते हैं? सोचकर लिखिए।**

उत्तर – पक्षी और बादल द्वारा लाई गई चिट्ठियों को पेड़-पौधे, पानी और पहाड़ ही पढ़ पाते हैं, हम उनकी भाषा समझें या नहीं किंतु वे उनकी भाषा को अच्छी तरह से समझ जाते हैं।

**प्र॰4 "एक देश की धरती दूसरे देश को सुगंध भेजती है"- कथन का भाव स्पष्ट कीजिए।**

उत्तर – "एक देश की धरती दूसरे देश को सुगंध भेजती है", से कवि का भाव यह है कि जब एक देश की धरती दूसरे देश को सुगंध भेजने में भेदभाव नहीं करती तो हमें भी भेदभाव नहीं करना चाहिए| यहाँ 'सुगंध' प्रेम और भाईचारे का प्रतीक है।

**प्र.5 पक्षियों और बादल की चिट्ठियों के आदान-प्रदान को आप किस दृष्टि से देख सकते हैं?**

पक्षी और बादल की चिट्ठियों के आदान-प्रदान को हम प्रेम, सौहार्द और आपसी सद्भाव की दृष्टि से देख सकते हैं। यह हमें यही संदेश देते हैं।

अति लघु पश्नोत्तर

प्र-1 पक्षी और बादल क्या करते हैं?

उ-1 पक्षी और बादल भगवान के संदेश पहुँचाते हैं|

प्र-2 पेड़-पौधे हमें क्या देते हैं?

उ- पेड़-पौधे हमें फल-फूल देते हैं|

प्र 3- पहाड़ हमारे लिए क्या करते हैं?

उ- पहाड़ हमारी रक्षा करते हैं|

प्र-4 भगवान के डाकिए किसे कहा गया है?

उ भगवान के डाकिए पक्षी और बादल को कहा गया है|

प्र-5 सौरभ किसकी पाँखों पर तिरता है ?

उ - सौरभ पक्षियों की  पाँखों पर तिरता है ।

---------धन्यवाद ---------